आत्मकथा और कहानी में मूल अन्तर वही है, जो आत्मकथा और उपन्यास में होता है, किन्तु इन दोनों में एक अन्तर और भी है। कहानी की घटना नायक के समस्त जीवन पर प्रकाश न डाल कर उससे सम्बद्ध किसी एक ही प्रमुख घटना का विश्लेषण करती है। यह विश्लेषण प्राय: कल्पना पर आधृत होता है। आत्मकथा में नायक के जीवन का अधिकांश समाविष्ट होता है, जो सत्य पर आधारित होने के कारण कल्पना से रहित होता है। आत्मकथा की प्रत्येक घटना ठोस सत्य एवं वास्तविकता पर आधृत होती है। आत्मकथा की प्रत्येक घटना सत्य आधृत होती है। उसमें कल्पना का कोई योग नहीं होता। फिर भी 'बाणभट्ट की आत्मकथा' आत्मकथा नहीं वरन् एक ऐतिहासिक उपन्यास है जो हिन्दी साहित्य में अभिनव प्रयोग है। **(Board Term II, 2014 VE7X3IC)**

(i) 'आत्मकथा' की विशिष्टता है : 1

(क) लेखक की जीवन की एक घटना का वर्णन। (ख) लेखक के पूरे जीवन का वर्णन।
(ग) समाज की आत्मा की कथा। (घ) कथा में आत्मा का वर्णन।

उत्तर : (ख) लेखक के पूरे जीवन का वर्णन।

(ii) 'आत्मकथा' में वर्णन है : 1

(क) सत्य घटनाओं का। (ख) कल्पनाओं का। (ग) प्रकृति का। (घ) ईश्वर का।

उत्तर : (क) सत्य घटनाओं का।

(iii) हिन्दी साहित्य में अभिनव प्रयोग का आशय है : 1

(क) हिन्दी साहित्य को नए ढंग से प्रयोग करना। (ख) हिन्दी साहित्य में नए-नए प्रयोग करना।
(ग) नए-नए प्रयोग के आधार पर हिन्दी साहित्य लिखना। (घ) हिन्दी साहित्य में नए प्रयोग असंभव है।

उत्तर : (ख) हिन्दी साहित्य में नए-नए प्रयोग करना।

(iv) 'जीवन' शब्द में उपसर्ग का प्रयोग हो सकता है? 1

(क) आ। (ख) निर्। (ग) स। (घ) प्रति।

उत्तर : (क) आ।

(v) 'प्रत्येक' शब्द में समास और विग्रह होगा : 1

(क) एक के प्रति-संबंध तत्पुरुष। (ख) हर-एक-अव्ययीभाव।
(ग) अकेला है जो-कर्मधारय। (घ) केवल एक ही जो कर्मधारय।

उत्तर : (ख) हर-एक-अव्ययीभाव।

संघ महासभा ने सन् *1951* में स्त्रियों एवं पुरुषों के कार्य का समान मूल्य तथा समान कार्य का समान वेतन का प्रस्ताव पारित किया। *26* दिसम्बर, *1952* को महिलाओं के कल्याण के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गए जिनमें मतदान का अधिकार, निर्वाचित होने तथा सार्वजनिक पद ग्रहण करने का अधिकार, पुरुषों के समान ही उन्हीं शर्तों एवं आधारों पर सार्वजनिक कर्त्तव्य निर्वाह का अधिकार, सार्वजनिक सेवाओं में नियुक्त स्त्रियों के प्रति समस्त भेदभाव के अन्त का संकल्प आदि हैं। यदि किसी व्यक्ति के साथ मानवाधिकारों के विपरीत कोई परिस्थिति उत्पन्न होती है तो वह संबंधित दर्शक, न्याय प्रणाली से अपने अधिकार की सुरक्षा की माँग कर सकता है। यदि तमाम घरेलू निदानात्मक उपायों से न्याय नहीं मिल पाता है तो संयुक्त राष्ट्र संघ की निर्वाचित मानव अधिकार समिति को अपनी याचिका भेज सकता है। **(Board Term II, 2014 VE7X3IC)**

(i) संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने क्या प्रस्ताव पारित किया? 1

(क) स्त्री-पुरुष की समानता संबंधी। (ख) स्त्री-पुरुष के कार्य एवं मूल्य में समानता।
(ग) स्त्री-पुरुष सभी को काम का अधिकार। (घ) स्त्री-पुरुष की विवाह की समानता।

उत्तर : (क) स्त्री-पुरुष की समानता संबंधी।

(ii) महिलाओं के कल्याण के लिए नियम कब निर्धारित किए गए? 1

(क) *20* दिसम्बर, *1951*। (ख) *26* दिसम्बर, *1952*। (ग) *25* दिसम्बर, *1954*। (घ) *30* दिसम्बर, *1956*।

उत्तर : (ख) *26* दिसम्बर, *1952*।

(iii) मानवाधिकारों के विपरीत परिस्थिति होने पर क्या किया जा सकता है? 1

(क) न्याय प्रणाली में बदलाव। (ख) अधिकारों की दुहाई दे सकते हैं।
(ग) माँग की पूर्ति हेतु आंदोलन। (घ) अदालत में जाकर न्याय मांग सकते हैं।

उत्तर : (घ) अदालत में जाकर न्याय मांग सकते हैं।

(iv) निर्वाचित मानव अधिकार समिति का क्या दायित्व है? 1

(क) मानव अधिकार पर चर्चा। (ख) घरेलू समस्याओं का हल निकालना।
(ग) न्याय प्रणाली में न्याय न मिलने पर मदद करना। (घ) चुनाव करवाना।

उत्तर : (ग) न्याय प्रणाली में न्याय न मिलने पर मदद करना।

(v) 'संबंधित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग प्रत्यय हैं : 1

(क) सम्, इत। (ख) स, इत। (ग) सम्, त। (घ) सम्, धित।

उत्तर : (क) सम्, इत।